हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अमदरा पंचायत में चल रहा है अवैध रूप से सटटा एवं शराब की दुकान

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत कई जगहों पर सट्टा का संचालन किया जा रहा है इससे आवेदन घरों में विवाद की स्थिति निर्मित हो जा रही है इसी तरह की एक शिकायत पंचायत द्वारा थाना तकरिया में दी गई है जिसमें लिखा है की ग्राम पंचायत अमदरा में शासकीय भवन माध्यमिक शाला प्राथमिक शाला आंगनवाड़ी ग्राम पंचायत भवन जैसी संस्था के आसपास अवैध रूप से सट्टा का संचालन किया जा रहा है एवं वहां पर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है जिससे आए दिन यहां पर झगड़ा होते रहते हैं घरेलू हिंसा बढ़ रही है बड़े बूढ़े एवं युवा वर्ग सटटे की चपेट में आकर घर में आए दिन चौरीया एवं झगड़ा हो रहे हैं युवा वर्ग नसे की लत बढ़ रही है अमदरा के कई मोहल्ले में मैं अवैध शराब एवं सट्टा का संचालन किया जा रहा है जिससे आए दिन कोई ना कोई अप्रिय घटना घट रही है जिसकी शिकायत पंचायत द्वारा एवं नागरिकों के द्वारा थाना टिकरिया में शिकायत दर्ज कराई है कि तत्काल कार्रवाई की जावे।

पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत पात्र-अपात्र आवेदकों की सूची जारी

मण्डला। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक 2.0 के अंतर्गत भूमिहीन आवेदकों के प्रकरणों की जांच उपरांत प्रारंभिक सूची जारी कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार म.प्र. के नगरीय क्षेत्रों में भूमिहीन व्यक्तियों को पट्टाधिकार प्रदान किए जाने संबंधी अधिनियम 1984 के तहत आवासीय भूमि के पट्टे के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच गठित दल द्वारा की गई। जाँच के दौरान कुल 52 आवेदनों में से 30 आवेदक पट्टा प्राप्त करने के लिए पात्र पाए गए, जबकि 22 आवेदक अपात्र घोषित किए गए हैं। पात्र एवं अपात्र आवेदकों की यह प्रारंभिक सूची नगर पालिका परिषद मंडला के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। नगरपालिका प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सूची का अवलोकन कर लें और यदि किसी को कोई दावा या आपत्ति दर्ज करानी हो तो वे 15 मई तक नगर पालिका परिषद मंडला में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी प्रकार के दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

1 मई से शुरू होगा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर

खेलेगा तभी तो बढ़ेगा हमारा भारत

*** ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 11 रुपये और जिला मुख्यालय के लिए 511 रुपये शुल्क निर्धारित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले में युवाओं और बच्चों को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से 1 मई से 31 मई तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर "आरोह-2026 (मस्ती की पाठशाला)" का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जिला मुख्यालय सहित मण्डला के सभी ब्लॉकों में संचालित होगा, जिसमें 20 खेलों में 2000 से अधिक खिलाड़ियों को 50 प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस संबंध में योजना भवन मण्डला में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, अपर कलेक्टर राजेंद्र सिंह, एसडीएम, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं खेल संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक श्री सकलेचा ने कहा कि यह शिविर खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर देगा और जिले में नई खेल प्रतिभाओं की पहचान होगी। शिविर के दौरान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा तथा चिकित्सा व्यवस्था भी अलर्ट मोड पर रहेगी।

सीईओ जिला पंचायत श्री मीना ने इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस शिविर से समाज में सामंजस्य बढ़ेगा और अभिभावकों की सहभागिता भी सुनिश्चित होगी।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी विकास खराड़कर ने जानकारी दी कि शिविर प्रतिदिन शाम 4:30 से 6:30 बजे तक मण्डला, नैनपुर, नारायणगंज, बीजाडांडी, मोहगांव, घुघरी, बिछिया, निवास और मवई ब्लॉकों में आयोजित किया जाएगा। शिविर में फिट इंडिया मूवमेंट, व्यक्तित्व विकास, संस्कृति एवं मनोरंजन, खेल गतिविधियां, फैमिली और सोसायटी एंगेजमेंट तथा सामाजिक जागरूकता जैसी गतिविधियां भी शामिल होंगी।

शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का ऑनलाइन पंजीयन किया जाएगा और उन्हें ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। शिविर के अंतर्गत बैडमिंटन, खो-खो, हैंडबॉल, आर्चरी, फुटबॉल, तैराकी, वेटलिफ्टिंग, वुशु, कराते, एरोबिक्स, योग, एथलेटिक्स, कुश्ती, थांगता, वॉलीबॉल, स्केटिंग, सेपकटेकरा, क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी जैसे 20 खेलों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला मुख्यालय मण्डला में 17 खेल और प्रत्येक ब्लॉक में 2 खेलों का प्रशिक्षण होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 11 रुपये और जिला मुख्यालय के लिए 511 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इस राशि से खिलाड़ियों को टी-शर्ट, प्रशिक्षकों को खेल किट एवं मानदेय उपलब्ध कराया जाएगा।

"मस्ती की पाठशाला" के तहत शिविर की शुरुआत प्रतिदिन एरोबिक्स से होगी, जिसमें खिलाड़ियों को वार्मअप के साथ बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस स्तर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतिभावान खिलाड़ियों को मध्यप्रदेश खेल अकादमी से जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा। साथ ही शिविर के दौरान इंटरम्यूरल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

शिविर में होंगी ये गतिविधियाँ

1. फिट इंडिया मूवमेंट।
2. व्यक्तित्व विकास।
3. संस्कृति एवं मनोरंजन।
4. खेल गतिविधिया।
5. फेमिली इंगेजमेंट।
6. सोसायटी इंगेजमेंट।
7. सामाजिक जागरूकता ।

शिविर के प्रमुख उद्देश्य

1. विद्यार्थि यों में खेलों के प्रति रूचि विकसित करना।
2. शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना।
3. प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान एवं प्रोफाईलिंग।
4. व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व क्षमता का निर्माण।
5. युवाओं को नशा मुक्ति साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करना।
6. परिवार एवं समाज को फिटनेस एवं संस्कृति से जोड़ना
7. महिलाओं को आत्मरक्षा से संबंधित खेलो में प्रशिक्षण देना।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के सहयोग से नरायणगंज में 11 खेत तालाब निर्माण

*** 33 किसानों को मिलेगा लाभ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

मण्डला जिले के नरायणगंज ब्लॉक में जल संरक्षण और कृषि सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के सहयोग से तथा अर्पण सेवा संस्थान के समन्वय में संचालित समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत देवहार, हनिमत्ता, झांझनगर, सहजनी और चरगांव गांवों में कुल 11 खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है।

यह पहल क्षेत्र में जल संकट को दूर करने और किसानों की कृषि उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में एक ठोस कदम मानी जा रही है। इन 11 खेत तालाब के निर्माण से लगभग 33 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा करीब 82 एकड़ कृषि भूमि सिंचाई के दायरे में आएगी। इसके साथ ही इन संरचनाओं के माध्यम से लगभग 24,200 घन मीटर जल भंडारण की क्षमता विकसित की जा रही है, जो वर्षा जल को संरक्षित कर भविष्य में उपयोग के लिए उपलब्ध कराएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर वर्षा पर निर्भर कृषि के कारण किसानों को अस्थिर उत्पादन और आर्थिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। ऐसे में खेत तालाब जैसी जल संरचनाएं न केवल सिंचाई की उपलब्धता सुनिश्चित करती हैं, बल्कि फसल विविधीकरण, रबी और ग्रीष्मकालीन खेती को भी संभव बनाती हैं। इससे किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ आजीविका के नए अवसर भी सृजित होते हैं।

परियोजना के अंतर्गत बनाए जा रहे ये खेत तालाब जल संरक्षण के साथ-साथ भूजल स्तर को बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन आधारित पहलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

स्थानीय किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए बताया कि अब उन्हें सिंचाई के लिए बाहरी स्रोतों पर कम निर्भर रहना पड़ेगा। इससे खेती की लागत घटेगी और उत्पादन में स्थिरता आएगी। साथ ही, गांवों में हरियाली बढ़ेगी और जल संकट की समस्या में भी कमी आएगी।

समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत इस प्रकार के नवाचार और समुदाय-आधारित हस्तक्षेप यह दर्शाते हैं कि यदि योजनाओं को सही दिशा और सहयोग मिले, तो ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास के लक्ष्य को प्रभावी रूप से हासिल किया जा सकता है।

आकांक्षी विकासखंड मवई-नारायणगंज की समीक्षा, संकेतकों में प्रगति लाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने मंगलवार को जिला योजना भवन में आकांक्षी विकासखंडों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले के दो आकांक्षी ब्लॉक मवई तथा नारायणगंज में संचालित योजनाओं की प्रगति एवं संकेतकों की स्थिति की विभागवार समीक्षा की गई। सीईओ शाश्वत सिंह मीना ने बताया कि शासन द्वारा मवई विकासखंड के लिए कलेक्टर मंडला को तथा नारायणगंज विकासखंड के लिए संभागायुक्त जबलपुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी दिनों में संभागायुक्त जबलपुर का नारायणगंज विकासखंड में विजिट प्रस्तावित है। इसके मद्देनजर सभी संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि वे अपने विभाग की योजनाओं से जुड़े आकांक्षी संकेतकों के अनुरूप पूरी तैयारी रखें। श्री मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग आगामी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मासिक कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि जिन संकेतकों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है, उनका कारण तथ्यों एवं विश्लेषण सहित प्रस्तुत करना होगा। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने भी अधिकारियों से कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम शासन की प्राथमिकता है, इसलिए स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन व बुनियादी अधोसंरचना से जुड़े सभी संकेतकों में सतत सुधार लाएं। बैठक में संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, पंचायत एवं अन्य संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

पड़रिया (नारायणगंज) बस स्टैंड पर लापरवाही

*** ठेला व्यापारियों द्वारा कचरा जलाने से हादसे का खतरा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

ग्राम पंचायत क्षेत्र के बस स्टैंड में हाथ ठेला व्यापारियों की लापरवाही सामने आई है। यहां व्यापारी सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंककर उसमें आग लगा रहे हैं, जिससे आसपास के लोगों और दुकानदारों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बताया जा रहा है कि जहां कचरा जलाया जा रहा है, वहीं पास में व्यापारियों के गैस सिलेंडर भी रखे हुए हैं। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो आगजनी की घटना से जनहानि और संपत्ति का नुकसान हो सकता है।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में कचरा पेटी भी रखी गई है, लेकिन ठेला व्यापारी उसका उपयोग नहीं कर रहे हैं। खुले में कचरा फेंककर जलाने से पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ रहा है और आसपास का माहौल दूषित हो रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और ग्राम पंचायत से मांग की है कि इस लापरवाही पर तुरंत कार्रवाई की जाए और व्यापारियों को कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करने के लिए सख्त निर्देश दिए जाएं, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

विडम्बना | संगम घाट पर तट से दूर हुआ माँ नर्मदा का जल।

नर्मदा घाटों पर मिट्टी में दफन सीढ़ियां

*** कहां करें श्रद्धालु स्नान और कहां पूजा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जनसुनवाई में की शिकायत

मंडला के नर्मदा घाटों पर बाढ़ के बाद जमा हुई मिट्टी (कापू) अब लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। इस मिट्टी की वजह से घाटों की सीढ़ियां पूरी तरह दब गई हैं और नदी का किनारा भी बदल गया है। मंगलवार को शहर के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में इस समस्या को उठाया।

महाराजपुर का त्रिवेणी संगम घाट इस समस्या से सबसे ज्यादा जूझ रहा है। स्थानीय निवासी रोहित दुबे ने बताया कि साल 2011 में जब ये घाट बने थे, तब सब कुछ ठीक था। लेकिन 2015 के बाद से यहां इतनी मिट्टी जमा हो गई है कि अब नर्मदा जी का पानी घाट से करीब 50 फीट दूर चला गया है। घाट और नदी के बीच अब सिर्फ कीचड़ और मिट्टी का ढेर नजर आता है।

त्यौहारों पर श्रद्धालुओं को होती है दिक्कत

मकर संक्रांति और नर्मदा जयंती जैसे बड़े त्यौहारों पर जब हजारों लोग यहां पूजा-पाठ और स्नान के लिए आते हैं, तो उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मिट्टी की वजह से न सिर्फ गंदगी फैल रही है, बल्कि फिसलन के कारण हादसों का डर भी बना रहता है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द मशीनों के जरिए इस मिट्टी को यहां से हटाए।

प्रशासन ने दिए सफाई के आदेश

जनसुनवाई में आए लोगों की बात सुनकर जिला प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है। अधिकारियों ने तुरंत नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए हैं कि घाटों की सफाई का काम शुरू किया जाए और जमा हुई मिट्टी को वहां से हटाया जाए ताकि श्रद्धालु आसानी से नदी तक पहुंच सकें।

कमोवेश यही स्थिति मण्डला के अन्य घाटों की भी है जहां बाढ़ के समय बड़ी मात्रा में मिट्टी जमा होती है लेकिन स्थानीय लोगों की मेहनत और प्रयास से सफाई अभियान जारी रहता है।

अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) में माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी पंचकोषी परिक्रमा

*** दिनांक 17 में से 15 जून तक जारी रहेगी परिक्रमा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पांच कोष मतलब 17.5 KM श्री व्यास नारायण मंदिर, किलाघाट, मंडला से तट परिवर्तन कर सरस्वती प्रस्त्रवण तीर्थ - पुरवा से सहस्त्रधारा (सुरंगदेवरी) तट परिवर्तन कर गौंझी से वापिस श्री व्यास नारायण मंदिर, किला घाट, मंडला तक कुल 17.5 कि.मी. होता हैं। जो कि सामान्यतः 4-5 घंटों में पैदल कर सकते हैं।

अधिमास का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व :- भगवान विष्णु का प्रिय मास अधिकमास को स्वयं भगवान विष्णु ने अपना नाम 'पुरुषोत्तम' दिया। अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) हिंदू पंचांग के अनुसार हर तीन साल में आने वाला एक अतिरिक्त महीना है, जो भगवान विष्णु को समर्पित सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान जप, तप, दान और व्रत करने से अन्य महीनों की तुलना में दस गुना अधिक फल मिलता है। यह महीना आध्यात्मिक साधना, आत्म-शुद्धि और पापों के नाश के लिए सर्वोत्तम है।

विशेष पुण्य फलदायीः इस पवित्र महीने में की गई तीर्थ यात्रा, पूजा, उपवास और आध्यात्मिक सत्संग आदि का १० गुना पुण्य फल देता हैं।

इस पंचकोषी यात्रा में * तीर्थ व अनेकों महत्व के स्थान हैं। तीर्थों में श्री व्यास नारायण तीर्थ- किला घाट, सरस्वती प्रस्त्रवण तीर्थ - पुरवा घाट, सहस्त्रवर्णी तीर्थ - सहस्त्रधारा और विशेष महत्व के स्थान त्रिवेणी संगम, हवन टेकरी से निकला घृतनाला, मंगलेश्वर मंदिर, दादा धनीराम जी की समाधि, गौ घाट देवधरा, रिण मोचन कुंड आदि।

महिष्मति मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति आप सभी श्रद्धालुओं से आग्रह करती हैं कि आप इस विशेष अवसर का धार्मिक-आध्यात्मिक पुण्य लाभ लें।

आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा पुरूषोत्तम मास के प्रथम दिवस १७ मई २०२६ को सुबह 5 बजे से पैदल पंचकोषी उत्तरवाहिनी यात्रा शुरू कर 10 बजे तक समापन करने की योजना हैं।

श्रद्धालु जन अपनी सुविधा अनुसार १७ मई से १५ जून तक माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी पंचकोषी परिक्रमा कर सकते हैं। पैदल यात्रा सामान्यतः 4-5 घंटों में की जा सकती हैं।

खबर संक्षेप

पांच साल में खत्म हो गए हजारों हरे पेड़

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रदेश सरकार हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाकर शहर,क्षेत्र के गांवो में छायादार,फलदार वृक्षो का रोपण करने लोगो को प्रोत्साहित करते है किंतु वृक्षारोपण अभियानो के दौरान हर वर्ष लगाए गए अधिकांश वृक्ष रख रखाव के अभाव में या तो सूख जाते है या फिर जानवरो द्वारा नष्ट कर दिए जाते है। सूत्रो के अनुसार पिछले पॉच साल में शहर व क्षेत्र के गांवो में लगाये गए हजारो पेड़ लोगों की असावधानी से ठूँठ में तब्दील हो चुके है तथा हजारो रूपया खर्च करते हुए पंचायतों में चलाया गया हरियाली महात्सव का क्या हाल यह बात किसी से छीपी हुई नही है, आज यदि उन पौधों को देखा जावे तो ट्री गार्ड में पेडो की जगह मात्र गाजर घास ही नजर आ रही है, जिससे पौधारोपण के अभियानो के महत्व पर सवालिया निशान लग रहा है। बताया जाता है कि शहर की शैक्षणिक संस्थाओं तथा शासकीय कार्यालयो के इर्दगिर्द पूर्व में नेताओं, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियो ने आम, नीम, गुलमुहार, फूलो के जो पौधे लगाए थे,उनको खाद,पानी की व्यवस्था न होने से वे सूख गए है तथा उनमें लगाए गए ट्री गार्ड कबाड़ी की दुकानो पर पड़े दिखायी पड़ रहे है। विदित हो कि क्षेत्र में वन विभाग की ओर से शासन के निर्देशानुसार बीते हुए वर्षो में लगभग 40 हजार पौधो का रोपण जंगल क्षेत्र में कराया था तथा शिक्षा संस्थाओं के परिसरो में बड़ी संस्था में पौधारोपण किया गया था, लेकिन विडम्बना की बात है कि शालाओं में रोपे गए पौधो की सुरक्षा में कोताही बरती जा रही है, जिससे हरियाली बिखेरने वाले ये पौधे असमय सूखते चले जा रहे है, शहरवासियो ने विभिन्न शालाओं के प्राचार्यो से शालाओं के परिसरो में रोपे गए पौधो को सलामत रखने की व्यवस्थाएँ करने की गुहार लगायी है।

आज भी सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव भी बंचित हैं पक्की सड़क से, कच्चे रास्ते से गुजरने के लिए हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गॉव गॉव सड़को का जाल विछा दिया हो परन्तु विकासखंड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गॉव आज भी पक्की सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाइ्र पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्की सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूभर हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य जैंसी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की बस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये साईंखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशाानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है, वही स्थिति तो गंभीर उस समय देखी जाते है तब गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने की जरूरत पड़ जाती है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से वे सड़क का सपना संजोये बैठे हैं कि उनके ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनेगी परन्तु उनका सपना आज भी पूरा नही हो पाया है, जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि लगभग एक हजार की आवादी बाले क्षेत्र के ग्राम में पक्की सड़क की सुविधा न होने से विद्याार्थियों के साथ ग्रामीणों को रोड तक आने में दिक्कतों का सामना करते है।

लगातार मांग करने के बाद भी खुलरी बैंक में अभी तक नहीं लग पाया एटीएम, उपभोक्ताओं को अपने खातों से राशि निकलने में लगाना पड़ती है लंबी लाईन, खाते की जानकारी लेने के लिये लगाना पड़ते है अनेक चक्कर..

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी।

जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगातार प्रयास करते हुए देश को डिजीटल इंडिया बनाने में लगे हुए है जिसके चलते लोगों का हर लेन देन बैकों के माध्यम से कराने का प्रयास करते हुए संपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए कैस लेस बनाया जा रहा है। इस प्रकार से देश के प्रधान मंत्री की इस सोच को लेकर लोगों द्वारा प्रसन्नता तो निश्चित ही जाहिर की जा रही है। मगर देखा जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंको में पर्याप्त व्यवस्थाएं नही हो पाने के कारण बैक उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ रहा है जिसको लेकर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैकों में पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होगी तो फिर क्या देश के प्रधानमंत्री का केश लेश डिजिटल इंडिया बनाने का यह सपना पूरा हो पायेगा? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय खुलरी स्थिति भारतीय स्टैट बैंक में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि क्षेत्र की मात्र एक बैक के माध्यम से ग्राम खुलरी सहित ग्राम भौरझिर, मुडिया, बिलोनी, सूरना, घघरौला, पटना, लिंगा, पिठहरा, भूमिया ढ़ाना, करहैया, सलैया, बेहरा सहित अन्य गांवों के किसानों से लेकर पंचायत व स्कूली छात्र छात्राओं के खाते इसी बैंक के माध्यम से संचालित हो रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा किसानों के लिये भी अनाज विक्रय से लेकर अन्य योजनाओं की राशि भी बैक खातों में भेजे जाने कारण क्षेत्र के किसान भी इसी बैक के भरोसे चल रहे है, जिसके चलते इस बैक शाखा में प्रतिदिन खातोंदारों की भीड़ लगना आम बात हो चुकी है। वही बैक अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों का प्रयास होता है कि वह अपने उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करने के लिए मजबूर न करे। मगर बैक के समय में अक्सर सरबर डाउन होने के साथ अन्य प्रकार की परेशानिय आने के कारण वह भी अपने उपभोक्ताओं को समय पर संतुष्ट करने में सफल नही हो पा रहे है। क्योंकि खातेदार अपनी छोटी से छोटी राशि निकालने के लिये भी बैक की लाईन में लगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। यह बात अलग है कि खाते से पैसा निकालने के लिये अन्य जगहों पर सुविधाये तो मौजूद है। मगर उस सुविधा का लाभ लेने के लिये खातेदार को अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इसी के चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा बीते हुये लम्बे समय से भारतीय स्टैट बैक शाखा खुलरी में एटीएम स्थापित किये जाने की मांग उठाई जा रही है। मगर इसके बाद भी यहां पर एटीएम नही लगना जिम्मेदारों की उदासीनता का प्रमाण उजागर करने से नही चूक रहा है, जिसके चलते देखा जाता है कि ग्राम सहित अनेक गांवों से आने वाले लोग दिन दिन भर लम्बी लाईनों में लगे रहने के बाद जब बैक का समय समाप्त हो जाता है तो उन्हें खाली हाथ अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर बैक में उपभोक्ताओं की पासबुको में एन्ट्री करने की व्यवस्था तक उपलब्ध नही होने से उपभोक्ताओं के अपने खातों जमा राशि की जानकारी तक नही मिल पा रही है? इसी बात को लेकर बीते हुये बीते हुये दो वर्ष पहले ग्राम खुलरी के लोगों द्वारा क्षेत्र के तत्कालीन सांसद राव उदय प्रताप सिंह को एक ज्ञापन सौपते हुये खुलरी स्थित भारतीय स्टैट बैक शाखा में शीघ्र ही एटीएम सहित पास बुक प्रेटिंग मशीन लगाये जाने की मांग की गई गई थी। मगर वह मांग शायद आज तक पूरी ही नही हो पाई है और पता नही कब तक पूरी होगी इसका किसी को पता नही..? क्योंकि सासंद महोदय खुद ही अब सांसद के बाद गाडरवारा विधान सभा क्षेत्र के विधायक के बाद प्रदेश की सरकार में मंत्री बन चुके है...? वही दूसरे ओर स्टैट बैक शाखा में एटीएम मशीन न होने को लेकर लोगों की परेशानियों के संबंध में जब ग्रामीणों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यह बात सही है कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा अच्छी सोच के साथ देश को तरक्की की ओर ले जाया जा रहा है और हर कार्य के लेद देन को सरकार द्वारा जिस प्रकार से कैश लेश किये जाने पर जोर दिया जा रहा है उससे निश्चित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। मगर वही दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों की बैक शाखाओं में लेन देन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होने के कारण लोगों को लेन देन करने में परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। इस स्थिति में ग्राम खुलरी बैक में एटीएम की स्थापना की बहुत जरूरी हो गई है जिससे लोग जरूरत पड़ने पर अपने पैसा निकाल सके। इसी प्रकार से गुड उत्पादक कृषकों का कहना है कि जिस प्रकार से सरकार द्वारा किसानों के लिये चलाई जा रही अनेक योजनाओं के साथ साथ अनाज खरीदी का पैसा सीधे किसानों के खातों में भेजा जाता है। मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब बैकों में किसानों को अपनी राशि निकालने के लिये पर्याप्त व्यवस्थाएं नही होगी तो वह अपनी राशि कैसे निकाल पायेगा। एटीएम की सुविधाये शहरों में तो है पर गांवो में न होने से लोग परेशान होते है। लगातार मांग किये जाने के बाद भी खुलरी बैक में एटीएम न लग पाना यहां विभाग व क्षेत्र के जिम्मेदारों की उदासीनता का परिणाम है। इसी प्रकार से छात्र छात्राओं से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि सरकार द्वारा जिस तरह लेनदेन की व्यव्स्था डिजिटल की गई है वह बहुत अच्छी है मगर गांवों की बैकों में एनटीएम न होने से इन योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है। मेरे पास एंड्राइड फोन न होने से में फोन पे नही कर पाती हूं..? अगर गांव में एटीएम की सुविधा होती तो हम सभी स्कूली बच्चों को इसका लाभ मिल सकता था। वही स्कूली छात्रा का कहना है कि हमारे गांव खुलरी की पांच हजार से अधिक की आवादी होने के साथ यहां पर स्थिति स्टैट बैक शाखा से आसपास के अनेको गांव जुडे हुये है। जिसके चलते हजारों छात्र छात्राओं के बैक खाते इसी बैक से संचालित होने के बाद एटीएम की व्यवस्था नही होने से हम छात्र छात्राओं को पैसा निकालने के लिये करेली या फिर गाडरवारा जाने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में हम लोगों का समय बर्बाद होने के साथ साथ पढ़ाई भी प्रभावित होने से नही चूकती है।

बिजली विभाग की लापरवाही से घटित हो सकती है किसी दिन बड़ी घटना?

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया। इस समय देखा जा रहा है कि जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा किसानों के जरा भी बिजली बिल यदि बकाया होते है तो उन्हें नोटिस देने के साथ साथ तुरंत बिजली लाईन काटने व संपत्ति कुर्क करने में देरी नही करता है? मगर वही दूसरी ओर बिजली विभाग के लापरवाही के चलते क्षेत्र के किसानों को समय पर न तो पर्याप्त बिजली मिल पा रही है? और न ही बिजली लाईनों का रख रखाब किया जा रहा है जिसके कारण आम लोगों की जिन्दगी को पूर्ण रूप से खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? इस संबंध में बताया जाता है कि अनेक जगहों पर बिजली विभाग द्वारा सड़क किनारे पर जो डी पी रखी गई है उनमें सुरक्षा के हिसाब से न तो कटटायूट लगाये गये है और न ही पेटी, जिन जगहों पर यदि कट टाऊट लगाये भी गये है उनकी उंचाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि कोई भी बच्चा आसानी से उन्हें पकड़कर अपनी जिन्दगी दाव पर लगा सकता है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम कौडिया सहित अन्य जगहों पर आसानी से देखने मिल रही है, जिसके चलते लोगों की जिन्दगी को पूर्ण रूप से खतरा मड़राते हुए नजर आ रहा है? बताया जाता है कि इस प्रकार से बिजली विभाग के लापरवाह रवैया के चलते जहां लोग खतरे के बीच अपनी जिन्दगी व्यतीत कर रहे है, वही मुख्य रास्ते के किनारे पर रखी हुई डीपियों के चलते राहगीरों को भी खतरा लगने लगा है? इस स्थिति के चलते कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है? यदि बिजली विभाग की लापरवाही से किसी दिन घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार बिजली विभाग ही होगा।

रेल्वे गेट के पास बढ़ते अतिक्रमण व आवारा गर्दी वालों की हरकतों पर नहीं लग रहा है अंकुश, मादक पदार्थो की विक्री व सेवन करने वालों के लिये सुरक्षित स्थान के रूप में बन चुकी है पहचान...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय शहर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर खुलेआम अतिक्रमण को जाल बिछते हुये देखे जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली निश्चित तौर से जहां अतिक्रमणकारियों के लिये संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर जिस तरह नगर के रेलवे स्टेशन के समीप यानि की चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे हुये रेल्वे गेट के पास अतिक्रमण करते हुये स्थापित हो रही दुकानों पर जहां सुबह से लेकर देर रात तक आवारा गर्दी करने वालों का जमावडा लगा रहता है तो दूसरी ओर शाम होते ही यहां पर शराब खोरी करने वालों की अशोभनिय हरकते देर रात चलने के कारण यहां पर निवास करने वाले लोगों के साथ साथ इस मार्ग से निकलने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? रात के समय तो हालत यह बन जाते है कि नगर के युवा दर्जनों की सुख्या में अपनी गाड़ियों से पहुंचकर एकत्र हो जाते है और खुलेआम मादक पदार्थो की बिक्री व सेवन का दौर शुरू होता है जो देर रात तक चलता रहा है। इस संबंध में स्थानीय पुलिस को अवगत कराये जाने के बाद कुछ दिनों तक तो पुलिस द्वारा नजर रखी गई। मगर सच्चाइ्र को फिर भुला दिये जाने के चलते अब आवारा गर्दी करने वालों के लिये यह स्थान प्रमुख अड्डा बनकर रहे गया है। यहां पर मादक पदार्थो की बिक्री की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पुलिस थाने में दर्ज अनेक मामलों में मादक पदार्थ यानि की स्मैक के कारोबारियों को इसी क्षेत्र से पकड़ने में सफलता हासिल की गई थी इस तरह पुलिस के रिकार्ड के अनुसार यह क्षेत्र आवारा गर्दी करने वालों के साथ मादक पदार्थो की मंडी के रूप में भी तब्दील होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि यहां पर खाली पड़ी हुई सड़क किनारे की भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम अतिकमण करते हुये अपनी दुकाने स्थापित की गई है। इन दुकानों पर दिन भर आवारा गर्दी करने वाले तत्वों का हुजूम रहने के चलते आम लोगों के साथ साथ स्कूल आने जाने वाली छात्राओं को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि यहां पर लगी हुई दुकानों पर बैठे रहने वाले इन तत्वों द्वारा आसपास के गांवों से स्कूल आने वाली छात्राओं के साथ अशोभनीय हरकते करते हुये छीटाकशी करने से नही चूकते है और छात्राये दहशत व भय के चलते इन मनचलों की हरकतों से परेशान होकर अपमान का कढावा घूंट पीने के लिये मजबूर हो रही है। वही दूसरी ओर कुछ इसी प्रकार का हाल रात के समय भी देखने मिल रहा है। क्योंकि जब पूरे शहर की दुकाने बंद हो जाने के बाद भी यहां पर अतिक्रमण करते हुये स्थापित की गई दुकाने देर रात तक चलते हुये देखी जाती है जहां पर शराब की अवैध विक्री से लेकर अन्य प्रकार के मादक पदार्थो की आसानी से उपलब्धता के चलते युवाओं को इसी और दौड़ते हुये देखा जाता है। रात के समय यहां पर दुकानों से लेकर खुले मैदान में शाम से लेकर देर रात तक शराब खोरी होने के कारण लड़ाई झगड़ा होना तो आम बात हो चुकी है। मगर शराब खोरी करने वाले लोगों द्वारा रात के समय इस मार्ग से निकलने वाले लोगों के साथ अभद्रता करने से नही चूकते है तो दूसरी ओर इस क्षेत्र में निवास करने वाले लोग भी इस तरह नगर के रेल्वे गेट के पास दिन रात होने वाली आवारा गर्दी से परेशान होते हुये देखे जा रहे है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व में अनेकों बार रेल्वे की इस भूमि पर दुकाने स्थापित करने वाले के खिलाफ आर पी एफ के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुये इन्हे हटा दिया गया था। मगर पता नही क्योंकि आर पी एफ सहित रेल पुलिस व नगर के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा यहां पर दिनों दिन बढ़ रहे अतिक्रमण को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि आम लोगों के लिये भुगतने मजबूर होना पड़ रहा है।

गांव में कीचड़ का साम्राज्य, स्वार्णिम म.प्र. बनने की सपने पर लग रहा ग्रहण..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र में बैठी सरकार द्वारा ग्रामों के विकास के लिए मनमानी धनराशि भेजकर उनकी सूरत बदलने की सोच बनाये हुए है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि धन राशि खर्च होने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति नही बदल पाने के कारण जहां देश के मुखिया द्वारा देश को स्वच्छ बनाने के सपने पर पंचायतों में बैठे जनप्रतिनिधि व अधिकारियों द्वारा ग्रहण लगाया जा रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों को बदहाल स्थिति में जीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है? बताया जाता है कि शासन द्वारा ग्राम पंचायत में सड़को के निर्माण सहित अन्य कार्यो के लिए काफी मात्रा में धनराशि खर्च की गई है, जिसके खर्च होने के बाद भी आज गांव की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों को घुटना घुटना कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव में कीचड़ का साम्राज्य स्थापित होने के कारण जहां जनप्रतिनिधियों की कार्य शैली पर सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर जनपद में बैठे अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध बनने से नही चूक पा रही है? क्योंकि पंचायत के विकास कार्यो में हो रही गफलत बाजी की शिकायत जब अधिकारियों से की जाती है तो उनके द्वारा भी शिकायतों को नजर अदांज करते हुए अनदेखी कर दी जाती है, जिसके चलते जहां आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है। वही दूसरी ओर प्रदेश को स्वच्छ बनाने का देश के मुखिया के सपने को भी अधिकारियों की मिली भगत से पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों द्वारा पलीता लगाया जा रहा है।

प्रतिदिन शहर की सड़कों पर मिट्टी ढ़ोने वाले ट्रेक्टरों चालकों की मनमानी के चलते बढ़ रहा धूल का ग्राफ, आमजन का सांस लेना हो रहा दूभर..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय नगर की सड़कों पर देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से नियम विरूद्व ट्रेक्टरों का परि संचालन किया जा रहा है उस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम यह है कि ट्रेक्टरों के संचालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू होकर आम लोगों तथा नगरवासियों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रहे है? क्योंकि सही मायने में देखा जावे तो नगर की सड़को पर दौड़ने वाले इन ट्रेक्टरों का पंजीयन कृषि कार्य के नाम पर होने के बाद भी उन्हें अन्य दूसरें धंधों में उपयोग होते हुये खुलेआम देखा जाने के बाद भी संबंधित विभाग की चुप्पी नियम विरूध दौड़ने वाले इन ट्रेक्टर मालिको की मनमानी को बढ़ावा देने से नही चूक रही है? वही यदि इन ट्रेक्टरों के संचालन की स्थिति पर गौर किया जावे तो प्रशासन का ठुल मुल रवैया होने के कारण इन ट्रेक्टर चालको के हौसले बुलंद देखे जा रहे है? इतना नही आये दिन दिखा जाता है कि जब इन ट्रेक्टरों से मिट्टी, रेत व गिट्टी की ठुलाई करते हुए नगर में प्रवेश किया जाता है तो इन ट्रेक्टरों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों द्वारा दौड़ाते हुए देखा जाता है कि जिनके पैर न तो ब्रेक तक पहुंच पाते है और न ही उनकी उम्र वाहन चलाने की होती है? इसके बाद भी प्रशासन की कुम्भकर्णी निंद्रा का परिणाम है कि उनके द्वारा छूट प्रदान किये जाने के कारण यह लोग आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुए देखे जा रहे है? वही अक्सर नगर की सड़कों पर इन ट्रेक्टरों का संचालन होते हुए उस समय देखा जाता है जब बच्चों के स्कूल छूटने तथा लगने का समय होता है, स समय नगर की सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रेक्टरों की गति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि शायद मासूमो का अब भगवान ही मालिक है? वही दूसरी ओर जिस प्रकार से इन ट्रेक्टरों में ढोये जाने वाली मिट्टी को ट्रेक्टर मालिको द्वारा इस प्रकार से ओवर लोडिंग भरते हुए नगर की सड़को पर दौड़ाया जाता है जिसके चलते जब वह मिट्टी सड़को पर गिरने के बाद अन्य छोटे वाहन चालको के लिए खतरा की घंटी बताते हुए जान पड़ती है। क्योंकि सड़को पर गिरने वाली इस मिट्टी के चलते जहां बाइक सबारों को फिसलने का भय बना रहता है तथा इस मिट्टी के धूल में परिवर्तित होने के बाद सड़क को गंदा तो करती ही है साथ ही साथ जब इस मिट्टी से बनी हुई धूल के गुब्बरे बनकर उड़ते है तो लोगों का सांस लेना भी दूभर होने से नही चूकता है। इस तरह ओवर लोडिंग मिट्टी लेकर दौड़ने वाले इन ट्रेक्टर ट्रालियों के चलते शहर की गलियों में धूल का ग्राफ बढ़ते चला जा रहा है और धून के गुब्बरे उड़ने से लोगों का सांस लेना मुश्किल हो है। इस तरह मिट्टी परिवहन करने वाले इन ट्रेक्टर ट्रालियों से गिरने वाली मिट्टी के चलते छोटे वाहन चालक स्लिप होकर घायल होने से भी नही बच पा रहे है।

उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में सम्पन्न हुआ 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह

डिंडौरी।

उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान डिंडौरी में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग के तत्वाधान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 200 वर वधु परिणय सूत्र में बंधे।समारोह में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे और डिंडौरी विधायक ओमकार मरकाम सहित जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते जनपद अध्यक्ष आशा धुर्वे नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योतिप्रकाश धुर्वे सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा एसडीएम रामबाबू देवांगन तहसीलदार शशांक शेण्डे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत डिंडौरी के 200 जोड़ों का विवाह हिन्दू रीति रिवाज से संपन्न कराया गया। वधुओं को उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण से मुख्य स्थल तक लाया गया और बारात शासकीय माध्यमिक विद्यालय से मुख्य मार्ग होते हुए समारोह स्थल पहुंची। धर्मगुरुओं ने मंत्रोच्चार के साथ विवाह संपन्न कराया। कार्यक्रम में गुदुम बाजा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया।विधायक ओमकार मरकाम ने नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विवाह जीवन का पवित्र बंधन है जो विश्वास और जिम्मेदारी पर आधारित होता है। उन्होंने नशामुक्त जीवन अपनाने और परिवार के प्रति कर्तव्य निभाने की बात कही। जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते ने योजना को आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए लाभकारी बताया।

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना से समाज के सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है और यह पहल पूरे प्रदेश में अपनाई जा रही है। उन्होंने नवदंपतियों को सुरक्षित जीवन जीने और यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि विवाह सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण चरण है और सभी परिवार बहुओं को बेटी समान सम्मान दें। उन्होंने योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की।कार्यक्रम में सभी वर वधुओं को 49000 रुपये की सहायता राशि ऑनलाइन उनके बैंक खातों में प्रदान की गई। समारोह में दोनों पक्षों के परिवारजन शामिल हुए और भोजन व्यवस्था के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खबर संक्षेप

दुर्गा सप्तशती पाठ का अद्भुत महत्व, आध्यात्मिक साधना से जीवन की बाधाओं का निवारण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र तीर्थ नगरी अमरकंटक स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में विगत लगभग 30 वर्षों से निरंतर दुर्गा सप्तशती का अखंड पाठ जारी है। इस आध्यात्मिक साधना का संचालन पंडित संदीप ज्योतिषी द्वारा श्रद्धा, नियम और विधि-विधान के साथ किया जा रहा है। यह पाठ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है, बल्कि जनमानस के कल्याण और जीवन की समस्याओं के समाधान का भी महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है। धार्मिक ग्रंथ मार्कंडेय पुराण में वर्णित देवी महात्म्य, जिसे दुर्गा सप्तशती के नाम से जाना जाता है, मां दुर्गा के विभिन्न शक्तिरूपों का दिव्य वर्णन प्रस्तुत करता है। मान्यता है कि स्वयं ब्रह्मा जी द्वारा बनाए गए इस दिव्य कवच और पाठ के माध्यम से मनुष्य को जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। दुर्गा सप्तशती को शतचंडी, नवचंडी एवं चंडी पाठ के नाम से भी जाना जाता है, जिसे एक जागृत तंत्र साधना के रूप में अत्यंत प्रभावशाली माना गया है। दुर्गा सप्तशती के कुल 13 अध्याय हैं, जिन्हें तीन प्रमुख चरित्रों में विभाजित किया गया है। प्रथम चरित्र में मधु-कैटभ वध, मध्यम चरित्र में महिषासुर मर्दिनी का वर्णन, तथा उत्तम चरित्र में शुंभ-निशुंभ वध एवं भक्तों को प्राप्त वरदानों का विस्तृत विवरण मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन अध्यायों का नियमित एवं विधिपूर्वक पाठ करने से जीवन की विभिन्न समस्याओं का समाधान संभव है। प्रथम अध्याय मानसिक शांति प्रदान करता है, द्वितीय अध्याय विवादों में विजय दिलाता है, तृतीय अध्याय शत्रु बाधा से मुक्ति देता है, जबकि चतुर्थ अध्याय मां की भक्ति एवं ऊर्जा का संचार करता है। इसी प्रकार पांचवां अध्याय भय और नकारात्मक शक्तियों का नाश करता है, छठा अध्याय तांत्रिक बाधाओं को दूर करता है, सातवां अध्याय विशेष मनोकामनाओं की पूर्ति में सहायक होता है, तथा आठवां अध्याय गुमशुदा प्रियजनों की प्राप्ति में सहायक माना गया है। नवम अध्याय संतान सुख प्रदान करता है, दशम अध्याय भटकी संतान को मार्गदर्शन देता है, ग्यारहवां अध्याय आर्थिक हानि को रोकता है, बारहवां अध्याय मान-सम्मान की रक्षा करता है, और तेरहवां अध्याय विशेष इच्छाओं की पूर्ति एवं भगवती की कृपा प्राप्त कराने में अत्यंत प्रभावी माना गया है। पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार, यदि श्रद्धा, शुद्धता और विधि-विधान के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाए, तो यह साधना जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होती है। अमरकंटक में निरंतर चल रहा यह अखंड पाठ क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है।

परम पूज्य गुरुवरों की पावन स्मृति में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य आयोजन

अमरकंटक। भारत के प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं मोक्षदायिनी तीर्थस्थल पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में परम पूज्य गुरुवरों की पावन स्मृति में सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य एवं भक्तिमय आयोजन 25 अप्रैल से 1 मई 2026 तक श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हो रहा है। यह पुण्य आयोजन पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर श्री 108 श्री स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज, परमाध्यक्ष दैवी संपद मंडल के पावन सानिध्य एवं दिव्य आशीर्वाद में संपन्न हो रहा है। कथा आयोजन परमेष्ठी सद्गुरुदेव अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी एकरसानंद सरस्वती जी महाराज, संस्थापक दैवी संपद मंडल, परम सद्गुरुदेव अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी भजनानंद सरस्वती जी महाराज तथा सद्गुरुदेव परमहंस अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी शारदानंद सरस्वती जी महाराज की पावन स्मृति को समर्पित है। कथा व्यास पीठ से विद्वान आचार्य राममूर्ति मिश्रा प्रतिदिन संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करा रहे हैं। दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक श्रद्धालु भक्तजन कथा श्रवण कर धर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की अमृतधारा में आत्मिक शांति का अनुभव कर रहे हैं।

जनसुनवाई में विधवा महिला को राहत, मिली 20 हजार की सहायता राशि स्वीकृत

डिंडौरी।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में ग्राम नएगांव पड़रियाकला नेवसा विकासखंड डिंडौरी निवासी रूकमणी बाई अपने दो छोटे बच्चों के साथ पहुंचीं और अपनी आर्थिक स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनके पति राजेश विश्वकर्मा मजदूरी के लिए महाराष्ट्र गए थे जहां तालाब में डूबने से उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद भी उन्हें संबल योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।महिला ने बताया कि उनके परिवार में तीन वर्षीय बेटी खुश्बू और छह वर्षीय दिव्यांग पुत्र है। परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है जिससे बच्चों के भरण पोषण में गंभीर कठिनाइयां आ रही हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना के तहत प्रति माह चार हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही दिव्यांग बच्चे का प्रमाण पत्र बनवाकर पेंशन योजना से जोड़ने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने रूकमणी बाई की स्थिति को देखते हुए रोगी कल्याण मद से 20 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया और इस राशि का उपयोग बच्चों की देखभाल और शिक्षा में करने की सलाह दी। बच्चों को आंगनवाड़ी और विद्यालय भेजने के लिए भी समझाइश दी गई।कलेक्टर ने महिला को स्वरोजगार के लिए शासन की योजनाओं के माध्यम से दुकान या अन्य व्यवसाय शुरू करने हेतु अनुदान दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने अपना मोबाइल नंबर देते हुए कहा कि किसी भी समस्या पर सीधे संपर्क किया जा सकता है और संबल योजना का प्रकरण तैयार कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

जनसुनवाई में विधवा महिला को राहत मिली 20 हजार की सहायता राशि स्वीकृत

डिंडौरी।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में ग्राम नएगांव पड़रियाकला नेवसा विकासखंड डिंडौरी निवासी रूकमणी बाई अपने दो छोटे बच्चों के साथ पहुंचीं और अपनी आर्थिक स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनके पति राजेश विश्वकर्मा मजदूरी के लिए महाराष्ट्र गए थे जहां तालाब में डूबने से उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद भी उन्हें संबल योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।महिला ने बताया कि उनके परिवार में तीन वर्षीय बेटी खुश्बू और छह वर्षीय दिव्यांग पुत्र है। परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है जिससे बच्चों के भरण पोषण में गंभीर कठिनाइयां आ रही हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना के तहत प्रति माह चार हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही दिव्यांग बच्चे का प्रमाण पत्र बनवाकर पेंशन योजना से जोड़ने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने रूकमणी बाई की स्थिति को देखते हुए रोगी कल्याण मद से 20 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया और इस राशि का उपयोग बच्चों की देखभाल और शिक्षा में करने की सलाह दी। बच्चों को आंगनवाड़ी और विद्यालय भेजने के लिए भी समझाइश दी गई।कलेक्टर ने महिला को स्वरोजगार के लिए शासन की योजनाओं के माध्यम से दुकान या अन्य व्यवसाय शुरू करने हेतु अनुदान दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने अपना मोबाइल नंबर देते हुए कहा कि किसी भी समस्या पर सीधे संपर्क किया जा सकता है और संबल योजना का प्रकरण तैयार कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

गोवंश संरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

डिंडौरी।

गोवंश संरक्षण संवर्धन और गो आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की मांग को लेकर गो सम्मान आह्वान अभियान के प्रतिनिधियों ने तहसीलदार कार्यालय शहपुरा के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मध्यप्रदेश को गो संरक्षण के क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए कई सुझाव दिए गए हैं। इसमें गोवंश की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए दुर्घटनाएं पॉलीथिन कुपोषण और तस्करी जैसी समस्याओं का उल्लेख किया गया है।प्रतिनिधियों ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राचीन काल से गोपालन जीव दया और कृषि संस्कृति का केंद्र रहा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोवंश की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में गोवंश की सुरक्षा और संरक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

ज्ञापन में मांग की गई कि प्रदेश सरकार केंद्र को अनुशंसा भेजकर गो सेवा और संरक्षण के लिए अलग कानून लागू कराने का प्रयास करे और राज्य स्तर पर स्वतंत्र गोपालन मंत्रालय का गठन किया जाए। साथ ही सभी वधशालाओं के लाइसेंस निरस्त कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही गई है।अभियान के प्रतिनिधियों ने देशी गोवंश को राष्ट्रमाता या राष्ट्र आराध्या तथा राज्य स्तर पर राज्यमाता घोषित करने की पहल की मांग की है। गो तस्करी और गो वध को गैर जमानती अपराध घोषित कर दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसे कड़े प्रावधान लागू करने की भी बात कही गई है।ज्ञापन में गो आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पंचगव्य गोबर और गोमूत्र पर अनुसंधान प्राकृतिक खेती जैविक खाद और औषधीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने का सुझाव दिया गया है। स्कूलों में गो विज्ञान विषय शामिल करने और सार्वजनिक संस्थानों में देशी घी और दुग्ध उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की मांग भी रखी गई है।इसके साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर नंदीशाला और जिला स्तर पर गो अभयारण्य स्थापित करने तथा राजमार्गों पर घायल गोवंश के उपचार के लिए एम्बुलेंस और ट्रॉमा सेंटर बनाने की मांग की गई है। गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर चारा सुरक्षा व्यवस्था लागू करने पर भी जोर दिया गया है।अभियान के प्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इस दिशा में ठोस निर्णय लेकर मध्यप्रदेश को गो सेवा के क्षेत्र में अग्रणी बना सकती है। ज्ञापन के साथ नागरिकों के हस्ताक्षरयुक्त समर्थन पत्र भी सौंपे गए।

मेंटेनेंस के नाम पर कटौती से ग्रामीण परेशान भीषण गर्मी में बिजली संकट गहराया

शहपुरा।

डिंडौरी जिले के शहपुरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तापमान 44 से 45 डिग्री तक पहुंच रहा है और ऐसे में बिजली विभाग द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर घंटों आपूर्ति बंद किए जाने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है।तेज धूप और लू के कारण लोग घरों में रहने को मजबूर हैं लेकिन वहां भी बिजली नहीं रहने से राहत नहीं मिल पा रही है। पंखे कूलर और पानी की मोटर बंद रहने से दैनिक जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। छोटे बच्चे बुजुर्ग और मरीज सबसे अधिक परेशानी झेल रहे हैं।

विभाग ने 33 केवी डिंडौरी शहपुरा लाइन के मेंटेनेंस के चलते मानिकपुर मेहंदवानी बड़गांव अमेरा कनेरी मनेरी सहित कई क्षेत्रों में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली बंद रखने की सूचना दी है। भीषण गर्मी में पूरे दिन आपूर्ति बंद रहने की जानकारी से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है।ग्रामीणों का कहना है कि विभाग लगातार मेंटेनेंस का हवाला देता है लेकिन इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं दिख रहा है। गांवों में बार बार ट्रिपिंग और कटौती की समस्या बनी हुई है। किसानों की सिंचाई प्रभावित हो रही है और दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। पेयजल संकट भी गहराने लगा है।वर्तमान समय में विवाह समारोह का दौर भी जारी है। बिजली कटौती के कारण टेंट लाइटिंग और साउंड व्यवस्था प्रभावित हो रही है और आयोजकों को महंगे जनरेटर का सहारा लेना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि विभाग की कार्यप्रणाली की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

महंत योगी नृसिंहनाथ 10 शिष्यों के साथ कर रहे माँ नर्मदा परिक्रमा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मई-जून जैसी भीषण गर्मी, प्रचंड धूप और तेज लू के बीच जब सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है, ऐसे कठिन समय में भी कुछ साधक अपनी अटूट श्रद्धा, अदम्य साहस और आध्यात्मिक संकल्प के साथ तपस्या पथ पर निरंतर अग्रसर हैं। ऐसी ही अद्भुत साधना का जीवंत उदाहरण इन दिनों पवित्र नगरी अमरकंटक में देखने को मिल रहा है, जहाँ त्रिपुंडाचार्य मठ संस्थान, राजुर जिला लातूर (महाराष्ट्र) के परम तपस्वी संत महंत योगी नृसिंहनाथ महाराज, गुरु निरंजन नाथ, अंधा दत्त पीठ राजुर, अपने 10 नर्मदा भक्त शिष्यों के साथ पुण्य सलिला पतित पावनी माँ नर्मदा की कठिन पदयात्रा परिक्रमा कर रहे हैं। मंगलवार, 28 अप्रैल को महंत योगी नृसिंहनाथ महाराज ने नर्मदा उत्तर तट से दक्षिण तट की ओर पावन माई की बगिया में तट परिवर्तन एवं जल परिवर्तन की विधि पूर्ण कर अपनी आगे की नर्मदा परिक्रमा यात्रा प्रारंभ की। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावविभोर कर देने वाला रहा। उल्लेखनीय है कि महंत योगी नृसिंहनाथ महाराज ने दिसंबर माह में ओंकारेश्वर से नर्मदा परिक्रमा की पदयात्रा प्रारंभ की थी। अब तक वे लगभग 2500 किलोमीटर की कठिन परिक्रमा पूर्ण कर चुके हैं तथा लगभग 700 किलोमीटर की यात्रा शेष है, जो शीघ्र ही पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। इस परिक्रमा यात्रा की एक विशेष और हृदयस्पर्शी बात यह भी है कि उनके 10 परम भक्त शिष्यों के साथ "राजेश्वर नाथ राजू" नामक एक कुत्ता भी नर्मदा परिक्रमा कर रहा है। महंत श्री ने बताया कि यह परम भक्त कुत्ता नेमावर से उनके साथ जुड़ा। पूर्व में वह एक चिकित्सक के यहाँ रहता था, किंतु अब उसमें भी भक्ति और शक्ति का अद्भुत जागरण हुआ।

शहपुरा नगर परिषद में इंजीनियर पर लापरवाही के आरोप, पार्षद ने सौंपा शिकायत पत्र

शहपुरा।

नगर परिषद शहपुरा में विकास कार्यों की धीमी गति और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वार्ड क्रमांक 08 के पार्षद देवेंद्र कुमार बनवासी ने नगर परिषद में पदस्थ इंजीनियर पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा को लिखित शिकायत सौंपी है।पार्षद ने आवेदन में बताया कि वार्ड में सड़क निर्माण सामुदायिक भवन निर्माण और विद्युत पोल व्यवस्था से जुड़े कई आवश्यक कार्य लंबे समय से लंबित हैं। इन कार्यों को लेकर कई बार संबंधित इंजीनियर को अवगत कराया गया लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।शिकायत में कहा गया है कि कार्यों का समय पर निरीक्षण नहीं किया जा रहा है जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही नागरिकों की शिकायतों का निराकरण भी लंबित रखा जा रहा है। पार्षद ने आरोप लगाया कि जनसमस्याओं के प्रति उदासीनता बरती जा रही है और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।पार्षद के अनुसार संबंधित अधिकारी की लापरवाही के कारण वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और नगर परिषद की छवि भी प्रभावित हो रही है।पार्षद देवेंद्र कुमार बनवासी ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर संबंधित इंजीनियर के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर डिंडौरी को भी भेजी गई है जिससे मामले में कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

खबर संक्षेप

गौ सम्मान राष्ट माता घोषित करने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस राष्ट्र व्यापी आह्वान के अंतर्गत गौ भक्तों द्वारा गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने के उद्देश्य से संपूर्ण देश में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। उक्त हस्ताक्षरों को देश के महामहिम राष्ट्रपति राज्यपाल और प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री को सौंपकर मांग की जायेगी। तेंदूखेड़ा की कृषि उपज मंडी परिसर में कथा वाचक श्रेया किशोरी जी द्वारा गौ माता में देवताओं का बास बताते हुए राष्ट माता का दर्जा देने की बात कही। तत्पश्चात अनु विभागीय अधिकारी तेंदूखेडा को महामहिम राष्ट्रपति महामहिम राज्यपाल और प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के नाम संयुक्त ज्ञापन सौंपा गया इस मौके पर नर्मदा तट टिमरावन घाट वाले महाराज जी पं चंद्रकात चौबे राजू सिंह राजपूत बी डी चडार रामलता लोधी राधा पटैल धनंजय तिवारी महेन्द्र शर्मा राजेश चडार प्रदीप तिनगुरिया राजूपाली शालिगराम पटैल चरन पटैल राघवेंद्र सिंह लोधी परसोत्तम पटैल सोनू महाराज मुकेश पुजारी शिवदयाल ठाकुर मोनू पठ्या नेतराम रजक राजा जाटव मोनू लोधी रिषी राजपूत दीपक पटैल ग्रामीणों से गो सेवकों की उपस्थिति रही।

ग्राम पाठा में रात्रिकालीन चैपाल लगाकर ग्रामीणों से किया संवाद

कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का निरीक्षण किया कलेक्टर ने

कलेक्टर ने किया विकासखंड नरसिंहपुर के ग्रामों का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार की रात्रि को विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम पंचायत मुंगवानी, ग्राम पटनिया, ग्राम डुडवारा व पाठा का भ्रमण किया। ग्राम पाठा में रात्रिकालीन चैपाल लगाकर ग्रामवासियों से संवाद किया और योजनाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ग्राम पंचायत मुंगवानी के पटनिया ग्राम में गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही ग्राम डुडवारा के लवेरी ग्राम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बनाए जा रहे कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने ग्राम डुडवारा क्षेत्र में नाला से गाद निकासी कार्यों का भी अवलोकन किया। साथ ही ग्राम पंचायत पाठा में भी कंटूर ट्रेंच एवं गौशाला का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान निर्माणाधीन पंचायत भवन का निरीक्षण करते हुए कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचना का अवलोकन कर जल संरक्षण के कार्यों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। ग्राम पाठा में रात्रिकालीन चैपाल कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं और निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामीणजन मौजूद थे।

लीनेस वीरांगना क्लब ने हनुमान मंदिर में मिट्टी के घडे रखवाये

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भीषण गर्मी होने पर एरिया आफिसर ली श्रीमति रूप कला कटारे के नेतृत्व में क्लब सदस्यों द्वारा निर्णय लिया की मंदिर में हजारों दर्शनार्थी श्रद्धालु एवं आम वर्ग वहाँ से निकलते है तो वहाँ शुध्द पेय जल रखना उपयुक्त होगा। अतः मंदिर में मटके रखे मंदिर में भगवान जी को भोग लगाकर प्रसाद का वितरण किया। उपस्थित सदस्य पूनम जैन,सचिव लीनेस रजनी राजोरिया, पुष्पा साहू, सविता महोबिया, रेनु नोरिया,अनीता मेहरा, माधुरी यादव,कविता पटेल एवं संपूर्ण क्लब सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ऊंचाई से गिरने से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ठेमी थाना अंतर्गत ग्राम सूरवारी में एक महिला की ऊंचाई से गिरने के कारण मृत्यु होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेलखेड़ी निवासी लीलाबाई पति लक्ष्मण सिंह पटेल उम्र 45 वर्ष की सोमवार को जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। डॉक्टर द्वारा अस्पताल चैकी को भेजी गई प्री-एमएलसी में इस बात का उल्लेख किया गया है कि ऊंचाई से गिरने के कारण एवं सिर में गंभीर चोट आने से उनकी जान गई है। सूचना मिलने पर अस्पताल चैकी पुलिस ने तत्काल शून्य पर मर्ग कायम किया और परिजनों की उपस्थिति में शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया। घटना को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में परिजन मृत्यु के सटीक कारणों को लेकर एकमत नजर नहीं आए। कुछ लोगों का कहना है कि महिला घर की ऊंची सीढ़ियों से अनियंत्रित होकर गिर गई थी, जबकि परिजन प्रीतम सिंह पटेल इस घटना को सड़क हादसा बता रहे हैं और बेलखेड़ी सूरवारी के बीच मोटरसाइकिल से गिरना बता रहे हैं।

सड़क हादसे में हुई मौत के मामले में वाहन चालक पर मामला दर्ज

छिंदोरी रेलवे ब्रिज के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से गई थी विनीत विश्वकर्मा की जान, पुलिस ने शुरू की अग्रिम कार्रवाई

गोटेगांव। थाना गोटेगांव क्षेत्र अंतर्गत बीते दिवस हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने वाहन चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है। यह हादसा छिंदोरी रेलवे ब्रिज के समीप हुआ था, जहां तेज रफ्तार से आ रही कार क्रमांक MP 09 WB 9211, जिस पर विश्व हिंदू परिषद लिखा हुआ था, ने सड़क किनारे जा रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए विनीत विश्वकर्मा (45 वर्ष), निवासी छिंदोरी हार, को तत्काल उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन अत्यधिक चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया था तथा परिजनों ने लापरवाह वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

घटना के अगले दिन मामले की जानकारी देते हुए गोटेगांव एसडीओपी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लिए तथा वाहन संबंधी जानकारी जुटाई। जांच के उपरांत कार चालक आशुतोष परिहार, निवासी बकोरी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वाहन को भी चिन्हित कर लिया गया है तथा आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हादसे के समय वाहन की गति कितनी थी और चालक की लापरवाही किस स्तर की थी। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण हेतु नियमित चेकिंग अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

मकान गणना शुरू घर घर पहुंच रहे लोक सेवक

तेंदूखेड़ा आगामी जनगणना की तैयारियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मकान गणना का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। शासन के निर्देशानुसार लोक सेवक घर घर पहुंचकर मकानों से संबंधित जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इस प्रक्रिया के तहत प्रत्येक परिवार की आवासीय स्थिति मकान के प्रकार सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक आंकड़ों का सर्वे किया जा रहा है। लोक सेवकों द्वारा सुबह से शाम तक ग्राम के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर व्यवस्थित ढंग से गणना कार्य किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों से सहयोग की अपील भी की जा रही है। ताकि सही और सटीक जानकारी एकत्रित की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। जिससे विकास योजनाओं का निर्धारण किया जाता है। ग्रामवासियों ने भी इस कार्य में सहयोग करते हुए अपने अपने घरों की जानकारी उपलब्ध कराई। कुछ स्थानों पर लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे लोक सेवकों को सही जानकारी दें और इस कार्य को सफल बनाने में सहयोग करें। मकान गणना का यह कार्य कुछ दिनों तक ही जारी रहेगा जिसके बाद जनसंख्या गणना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे । ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी । ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर

मो. 9479623424, 9340637789